हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 22 दिसंबर 2025

9 डाकखाना परिसर में स्थित दो शौचालयों...

10 भाजपाइयों ने एसआईआर अभियान को लेकर की विशेष चर्चा

खबर संक्षेप

जिला मुख्यालय पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। जिले में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविर सोमवार को आयोजित किए जाएंगे। सुबह दस बजे से 12 बजे तक दो घंटे शिविरों का आयोजन होगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस रूम में लगेगा जहां डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल नागरिकों की विभिन्न प्रकार की शिकायतों और समस्याओं को सुनेंगे। वहीं, उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में लघु सचिवालय परिसरों में समाधान शिविर आयोजित होंगे।

क्रिसमस ड्रेस की बढ़ी डिमांड

बहादुरगढ़। क्रिसमस का क्रेज हर वर्ग में बढ़ने लगा है। स्कूलों व विभिन्न स्थानों पर लोग इस त्योहार को पूरे शिद्दत से मनाते हैं। अब तो लोग क्रिसमस की विशेष ड्रेस खासकर थीम ड्रेस भी बनवाने लगे हैं। क्रिसमस पर सेंटा विशेष ड्रेस की मांग बढ़ गई है। क्रिसमस का थीम कलर लाल रंग को माना जाता है। ट्रेंडी बनाने के लिए मफलर व ओवर कोट, डबल बटन, मफलर व सिल्क स्कार्फ का पूरा सेट बनाया जा रहा है। क्रिसमस पर बच्चों के लिए विभिन्न डिजाइनों में बनी ड्रेस को पसंद किया जा रहा है।

अवैध हथियार व जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा

बहादुरगढ़। मांडौठी चौकी पुलिस टीम ने एक आरोपी को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। चौकी प्रभारी मोहित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर नरेंद्र निवासी मांडौठी को तुरंत काबू किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में थाना आसौदा में मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया गया।

सरेआम सट्टा खाईवाली करते एक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। थाना लाइनपार पुलिस ने सरेआम सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाईवाली करते एक आरोपी को काबू किया। थाना प्रबंधक धर्मेंद्र ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर परनाला निवासी रविंद्र को सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाई वाली करते हुए पकड़ा गया। तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 1870 रुपए की नगदी और सट्टा पर्चियां बरामद हुई। उसके खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत थाना लाइनपार में केस दर्ज करके नियम अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

हथियारों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा

बहादुरगढ़। एंटी व्हीकल थेफ्ट विंग की पुलिस टीम ने गश्त के दौरान कसार बाईपास व ओमेक्स सिटी के नजदीक एक व्यक्ति के कब्जे से रिवॉल्वर बरामद की। एवीटी प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी उमेश निवासी मांडोठी के हाथ में पंप एक्शन गन थी। उसके पास से एक रिवॉल्वर भी बरामद हुई। दोनों अवैध हथियार मिलने पर थाना सेक्टर-6 में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। फिर अदालत में पेश करने पर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

लापता युवक की तलाश की गुहार लगाई

बहादुरगढ़। थाना सेक्टर-6 क्षेत्र में एक 19 वर्षीय युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में युवक के पिता ने थाना सेक्टर-6 में शिकायत देकर अपने बेटे की तलाश कराए जाने की मांग की है। शिकायतकर्ता रामदत्त मूल रूप से यूपी के शाहजहांपुर का रहने वाला है। उनका बेटा रिंकू 16 दिसंबर को सांखोल आया था। फिर 18 दिसंबर को पानीपत जाने की बात कहकर वहां से चला गया। लेकिन रिंकू न तो घर पहुंचा और न ही पानीपत। पीड़ित पिता ने पुलिस से अपने बेटे की जल्द से जल्द तलाश करने की गुहार लगाई है।

कोहरे के दौरान हादसों में इजाफा, बचाव के लिए चालक कर रहे इंतजाम

फॉग लाइट व रिफलेक्टिव टेप की बढ़ी बिक्री

फॉग लैंप, आईकैट, रेडियटर टेप आदि की बिक्री में हुई बढ़ोतरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

घने कोहरे के चलते दृश्यता बेहद कम होने से सड़कों पर चलना जोखिम भरा हो गया है। ऐसे में वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ी है, जिसका सीधा असर बाजार पर देखने को मिल रहा है। शहर में फॉग लाइट, रिफ्लेक्टिव टेप, रिफ्लेक्टर, एलईडी इंडिकेटर और सेफ्टी जैकेट की बिक्री में तेजी दर्ज की गई है। यातायात पुलिस भी इसे लेकर वाहन चालकों को लगातार जागरुक कर रही है।

जी हां, दोपहिया, तिपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली और स्कूल वाहनों के संचालक भी एहतियात बरतते हुए अपने वाहनों पर फॉग लाइट व रिफ्लेक्टिव टेप लगवा रहे हैं। खासकर सुबह और देर रात चलने वाले वाहनों में इन सुरक्षा उपकरणों की मांग अधिक देखी जा रही है। दुकानदार प्रेम कुमार का कहना है कि बीते कुछ दिनों में फॉग लाइट और रिफ्लेक्टिव टेप की बिक्री में 30 से 40 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। पहले जहां केवल कमर्शियल वाहन ही रिफ्लेक्टिव टेप लगवाते थे, अब निजी वाहन चालक भी इसे जरूरी मानने लगे हैं। कई दुकानों पर तो रिफ्लेक्टिव टेप और फॉग लाइट के स्टॉक जल्दी खत्म हो रहे हैं।

यातायात पुलिस और प्रशासन की अपील का भी असर नजर आ रहा है। पुलिस लगातार वाहन चालकों से कोहरे के दौरान हेडलाइट, फॉग लाइट का सही उपयोग करने, रिफ्लेक्टिव टेप लगाने, धीमी गति से वाहन चलाने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील कर रही है। इसके अलावा स्कूल बसों, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। वाहन चालक सुरेंद्र सिंह का कहना है कि कोहरे में अचानक सामने आने वाला वाहन या पैदल यात्री दिखाई नहीं देता, ऐसे में रिफ्लेक्टिव टेप और फॉग लाइट काफी मददगार साबित हो रहे हैं। इससे दुर्घटनाओं की आशंका कम होती है और रात के समय भी वाहन दूर से ही नजर आने लगते हैं।

बहादुरगढ़। एक ट्रक पर रिफलेक्टिव कोन लगाता दुकानदार। फोटो : हरिभूमि

मौसम में सुरक्षा को लेकर बढ़ी जागरूकता

यातायात थाना प्रभारी सतीश कुमार का मानना है कि यदि हर वाहन पर रिफ्लेक्टिव टेप और सही फॉग लाइट अनिवार्य रूप से लगाई जाए, तो सर्दियों के मौसम में होने वाले सड़क हादसों में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। कोहरे के इस मौसम में सुरक्षा को लेकर बढ़ी यह जागरूकता न केवल बाजार के लिए अच्छी खबर है, बल्कि आम लोगों की जान बचाने में भी अहम भूमिका निभा सकती है।

सर्दी में विशेष सावधानी बरतने की सलाह

बहादुरगढ़। रविवार को शहर के डीडीके अस्पताल में जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। इसके चिकित्सकों ने दिल को दुरुस्त रखने के लिए अपनी जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन करने का आह्वान किया। सर्दी के इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। डॉ. सुखपाल धारीवाल ने बताया कि इन दिनों आमजन का 8 से 10 घंटे का वक्त कार्य क्षेत्र में बीतता है। सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण आहार है। मेटाबॉलिज्म की सक्रियता और दिनभर स्वयं को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि आपके ब्रैकफास्ट में पर्याप्त मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ हों। कार्यालय में लिफ्ट या एलीवेटर की प्रयोग करने की बजाय सीढ़ियों का प्रयोग करें। ऑफिस में कुछ दूरी पर स्थित एक निश्चित स्थान पर वाहन पार्क करें। इसके बाद टहलते हुए अपने ऑफिस में जाएं। धूम्रपान का सेवन न करें। साथ में कैफीन का अत्यधिक मात्रा दिल की सेहत के लिए नुकसानदेह है। दो कप से ज्यादा चाय व कॉफी न पिएं। शुगर युक्त पेय पदार्थों का सेवन दिन में अनेक बार न करें। खूब फल खाएं। शाम के समय खाना खाने के बाद कम से कम आध घंटे तक घूमें ताकि भोजन पच सके।

घने कोहरे में सावधानी से चलाएं वाहनः डीसी

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने कहा कि आमजन सावधानी बरतकर सर्दी से अपना व अपने पशुओं का बचाव कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में घने कोहरे के दौरान विशेषकर सुबह और रात के समय कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम हो जाती है। ऐसे में वाहन चालकों को सीमित गति में, अपनी निर्धारित लेन में रहकर और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करते हुए वाहन चलाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके और नागरिक सुरक्षित यात्रा कर सकें। उन्होंने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि वे धुंध के मौसम में गलत दिशा में वाहन न चलाएं और धुंध के समय जहां तक संभव हो ओवरटेक करने से बचें। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक नियमों का पालन करके ही हम अपने और दूसरों के सफर को सुरक्षित बना सकते हैं। उन्होंने वाहन चालकों से जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की अपील की है।

परशुराम मार्ग पर ट्रैक्टर-टैंकर खंभे से टकराया, कई घंटे बिजली ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर के परशुराम मार्ग पर स्थित सब्जी मंडी के पिछले गेट के पास शनिवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पानी से भरे एक ट्रैक्टर-टैंकर का हुक अचानक निकल गया। अनियंत्रित हुआ ट्रैक्टर सीधे सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया, जिससे खंभा टूटकर गिर गया।

■ हादसे से इलाके में दहशत का माहौल

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि ट्रैक्टर खंभे से नहीं टकराता तो पास ही झुग्गी में रह रहा एक परिवार उसकी चपेट में आ सकता था। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कुछ देर के लिए इलाके में दहशत का माहौल बन गया। खंभा टूटने के कारण इलाके में विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बिजली निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। सुरक्षा कारणों से कुछ समय के लिए विद्युत आपूर्ति बाधित की गई, जिसके बाद आवश्यक जांच और अस्थायी इंतजाम कर बिजली सप्लाई को फिर से चालू कर दिया गया।

बहादुरगढ़। दुर्घटना के बाद टूटकर झुक गया बिजली का खंभा।

मनरेगा का नाम और स्वरूप बदलने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

भाजपा द्वारा मनरेगा योजना का नाम और मूल स्वरूप बदलने के खिलाफ रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। शहर के अंबेडकर चौक पर जिलाध्यक्ष संजय यादव की अध्यक्षता में किए गए रोष प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि भाजपा सरकार कुंठित मानसिकता के कारण इस योजना से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटा रही हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार किसी भी योजना का सिर्फ नाम बदल कर ही काम चला रही है, जबकि सरकार को चाहिए कि वह स्वयं कोई कल्याणकारी योजना शुरू करें।

उन्होंने कहा का कि सरकार ने इस योजना के मूल स्वरूप को भी बदलने का काम किया है। पहले इस योजना में 90 प्रतिशत अनुदान केंद्र सरकार का होता और 10 प्रतिशत राज्य सरकार का। अब केंद्र सरकार ने अपना अनुदान 90 प्रतिशत से घटा कर 60 प्रतिशत कर लिया है। ऐसे में राज्य सरकार मजदूरों की आवश्यकता की बजाय अपनी मर्जी से उन्हें काम देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी का अपमान और जरूरतमंद गरीब मजदूरों के हक को छीने जाने की मंशा पर चुप नहीं बैठेगी। भाजपा द्वारा चलाई जा रही इस प्रकार की दमनकारी नीतियों का विरोध सड़क से संसद तक किया जाएगा।

झज्जर। अंबेडकर चौक पर विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कांग्रेस कमेटी डेलीगेट सुभाष गुर्जर, शहरी अध्यक्ष राम अवतार दीपक गहलावत, ओबीसी जिलाध्यक्ष देवेंद्र यादव, एससी सेल जिलाध्यक्ष विजय वाल्मीकि, सेवादल जिलाध्यक्ष रमेश जाखड़, बिल्लू धींगड़ा, वीरेंद्र कौशिक, वीरेंद्र दरोगा, रामानंद दलाल, प्रेम पोपली सहित अन्य भी मौजूद रहे।

दुकान से नकदी चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर के सिलानी गेट क्षेत्र में एक युवक स्पेयर पार्ट्स की दुकान में घुस कर गल्ले में रखी नकदी चुरा ले गया। पीड़ित दुकानदार सतीश यादव के अनुसार वह दोपहर करीब दो बजे किसी काम से साथ वाली दुकान पर गया था।

इसी मौके का फायदा उठाते हुए एक युवक दुकान में पहुंचा तथा गल्ले में रखी करीब पद्रह हजार रुपये की नकदी चुरा ले गया। जब वह दुकान पर आया और उसने गल्ला देखा तो चोरी का पता चला। इसके बाद उसने दुकान की सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो उसमें संदिग्ध युवक चोरी करता दिखाई देता है। इसके बाद सूचना पुलिस को दी गई है।

झज्जर। सीसीटीवी फुटेज में गल्ले से रुपये चोरी करता हुआ युवक। फोटो : हरिभूमि

मेट्रो स्टेशन के निकट से बाइक चोरी

बहादुरगढ़। शहर के ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन से मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने अज्ञात चोर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता धर्मेंद्र निवासी गांव हुमायूंपुर ने पुलिस को बताया कि वह 18 दिसंबर को सुबह करीब 8 बजे अपनी मोटरसाइकिल मेट्रो स्टेशन पर खड़ी कर चला गया था। शाम करीब 6 बजे जब वह वापस लौटा तो उसकी मोटरसाइकिल वहां मौजूद नहीं मिली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है और अज्ञात चोर की तलाश शुरू कर दी गई है।

विकास नगर में घर से सोने की बालियां चोरी

बहादुरगढ़। थाना लाइनपार क्षेत्र के विकास नगर में एक घर से सोने की बालियां चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता ने थाना लाइनपार में शिकायत देकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता गुड्डी ने बताया कि वह और उसका पति मनोज कुमार सेक्टर-17 स्थित एक कंपनी में काम करते हैं। पीड़िता के अनुसार 18 दिसंबर को सुबह वे दोनों अपनी-अपनी ड्यूटी पर चले गए थे। उस समय घर में पेंट-रोगन का कार्य चल रहा था। शाम घर लौटी तो उसने खर्च के लिए पैसे निकालने चाहे। तभी उसे पता चला कि उसके सोने के कानों की दो जोड़ी बालियां वहां से गायब हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाकरा हेड में मिला रोहतक के शिव नगर कालोनी से लापता हुए युवक का शव

अस्पताल में रविवार को फोरेंसिक चिकित्सक उपलब्ध न होने के कारण आज कराया जाएगा पोस्टमार्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को बाकरा हेड से एक युवक का शव मिला है। शव की पहचान रोहतक के शिव नगर कालोनी निवासी करीब 23 वर्षीय सौरभ के तौर पर हुई है। जांच अधिकारी योमेश कुमार ने बताया कि सौरभ कैमिस्ट शॉप पर काम करता था। जिस दिन वह लापता हुआ उस दिन भी वह दुकान से एक घंटे में लौटने की बात कहकर निकला था। रविवार को अस्पताल में पोस्टमार्टम करने के लिए कोई भी फोरेंसिक चिकित्सक उपलब्ध न होने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया जा सका। ऐसे में शव का पोस्टमार्टम सोमवार को होगा। उन्होंने बताया कि इस मामले में मृतक के भाई साहिल के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है।

झज्जर। नागरिक अस्पताल के शवगृह में शव को रखवाते हुए परिजन।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित उमेश भूकर, एनटीपीसी झाड़ली के पदाधिकारी एवं ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

गोरिया गांव के मंदिर परिसर में बनाए पूजा पंडाल का हुआ उद्घाटन

झज्जर। एनटीपीसी झाड़ली द्वारा सीएसआर फंड से गोरिया गांव स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भव्य पूजा पंडाल शेड का निर्माण किया गया। करीब साठ लाख रुपये की लागत से बने इस पंडाल के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता पीएनबी आरसेटी के निदेशक उमेश भूकर गोरिया ने की। उन्होंने एनटीपीसी पदाधिकारियों के समक्ष गांव के सर्वांगीण विकास के लिए किए जाने वाले कार्यों की जानकारी सांझा की। कार्यक्रम में उपस्थित एनटीपीस अधिकारी बीएस राव, चंदना कुमार, आभा झाड़ली, बिपाशा देब, ममता, दलीप, उमेश कुमार आदि ने गांव के विकास के लिए अस्पताल निर्माण का प्रस्ताव रखे जिसके लिए ग्राम पंचायत द्वारा भूमि उपलब्ध कराए जाने की बात कही। इसके अलावा गांव की फिरनी पक्का कराने, मंदिर व गांव के विद्यालय में पंखे लगवाने आदि कार्यों का आश्वासन दिया। इस दौरान महिलाओं को आरसेटी द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षणों की जानकारी देते हुए युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया।

इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर डीजल जनरेटरों पर रोक

ग्रैप-4 की पाबंदियां सख्ती से लागू करने की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

समूचे दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशानुसार ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के चौथे चरण की पाबंदियां जारी हैं। लेकिन इन पाबंदियों को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है। जिला उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल भी मानते हैं कि नियमों की पूर्ण एवं सख्त पालना सुनिश्चित करना प्रशासन, उद्योग, निर्माण एजेंसियों एवं नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

बता दें कि ग्रैप-4 के चलते झज्जर जिले में भी निर्माण, तोड़फोड़ कार्यों पर रोक है। सीमेंट, रेत, फ्लाई ऐश जैसी निर्माण सामग्री की वाहनों में आवाजाही बंद है। सड़कों की साफ सफाई मशीनों से करनी अनिवार्य है। सड़कों व पेड़ों पर पानी का छिड़काव व एंटी-स्मॉग गन का उपयोग बढ़ाने की हिदायत है। कचरा जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा है। उद्योग व थर्मल पावर प्लांट, स्टोन क्रशर व खनन संबंधी गतिविधियों पर रोक है। इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर डीजल जनरेटरों पर रोक है। डीसी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखें, उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई करें तथा आवश्यक नियंत्रणात्मक कदम प्रभावी रूप से लागू करें।

बहादुरगढ़। शहर की सड़कों पर टेंकरों से पानी छिड़कते नप कर्मी। फोटो : हरिभूमि

आमजन निजी वाहनों का प्रयोग कम करें

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि विशेषकर बच्चे, बुजुर्ग व अस्वस्थ व्यक्ति अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें। सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग व वैकल्पिक साधनों का अधिक उपयोग करें। आमजन निजी वाहनों का प्रयोग कम करें। घर एवं कार्यालय में धूल नियंत्रण रखें, गीली सफाई (वेट क्लीनिंग) अपनाएं। मास्क का प्रयोग करें तथा चिकित्सकीय सलाह का पालन करें। प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों व एडवाइजरी का पालन करें। प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों में संलिप्त न हों। नागरिक प्रशासन का पूर्ण सहयोग करें, ताकि वायु गुणवत्ता में शीघ्र सुधार लाया जा सके। ग्रेप-4 प्रावधानों के उल्लंघन पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हारना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।

-हरिवंश राय बच्चन

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया।

कहानी

आशमा कौल

ढाल

खिड़की पर खड़ी वंदना को पता ही नहीं चला कि मीठी हवा ने अचानक आंधी का रूप कब ले लिया और किरकिरी उसकी आँखों में समा गई। उसने तुरंत खिड़की बंद की और बेसिन पर अपनी दुखती आँखों में पानी के छींटें मारने लगी। शीशे में देखा तो दोनों आँखें लाल थी, वैसे भी उसे इसकी आदत हो चुकी थी। मन का हर गुबार वह बाथरूम में ही आकर निकालती थी। वंदना का ब्याह हुए दो वर्ष हो चुके हैं। बचपन में वंदना, घर भर की दुलारी और लाड़ली बेटी बहुत नाजों में पली थी, माँ-पिताजी कॉलेज में अधिवक्ता थे तो वंदना भी पढ़ने में होशियार रही।

'वंदू रानी, वंदू रानी कहाँ चली'- कहते हुए माँ वंदना को बाहों में भर लेती और वंदना खिलखिलाते हुए अपनी सहेलियों के साथ खेलने की जिद करती। चुलबुली वंदना अपनी सहेलियों की भी चहेती थी। मुस्कराती और खिलखिलाती वंदना सभी का दिल पल भर में मोह लेती थी। स्कूल पूरा हुआ तो वंदना ने इंजीनियरिंग में दाखिला लिया और चार साल की पूरी मेहनत के बाद एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हो गई। वंदना के पास उड़ने के लिए अब पूरा आसमान था और वंदना के पंखों में भी बहुत हौंसला था। वह हर दिन जोश से अपने टारगेट पूरे करती तो सबका सम्मान भी पाती। अपनी कंपनी से बेस्ट इंजीनियर का खिताब भी वह कई बार पा चुकी थी। दिन भर की व्यस्तता के बाद जब वंदना और उसके मम्मी-पापा शाम को मिलते तो वह अपनी बिटिया की उपलब्धियां देख सुनकर गर्व से फूले न समाते। डिनर टेबल पर पापा और बेटी के बीच दिन भर की चर्चा चलती। उस दिन भी गपशप चल रही थी जब माँ ने कहा 'वंदना अब मैं तुम्हारा ब्याह करना चाहती हूँ, कोई लड़का तुम्हारी नजर में है तो मुझे बिना झिझके बता दोश'। माँ की बात सुन वंदना अचानक सकते में आ गई – 'माँ आज अचानक आपको मेरे ब्याह का ख्याल कैसे आ गया'।

'जब बेटी बड़ी हो जाती है तब माँ की नींद गायब हो जाती है, तुम नहीं समझोगी'

'पापा देखो, आप ही समझाओ माँ को कि अभी इतनी जल्दी न करे, अभी तो मेरा कैरियर शुरू हुआ है'

'बेटा तुम सही कह रही हो लेकिन माँ भी अपनी जगह सही है। हर चीज़ समय पर अच्छी लगती है और अभी तो हमारी सुंदर गुणवान बेटी के लिए लड़का ढूँढने में भी समय लगेगा, देखो शादी के बाद भी तुम अपनी लग्न से बुलंदियाँ छू सकती हो' – पापा ने कहा तो माँ ने तुरंत तसल्ली देते हुए कहा– " मैंने भी तो शादी के बाद अपनी नौकरी जारी रखी और आज भी पढ़ा रही हूँ, तुम भी आगे अपना पैशन फॉलो करना, चलो अब आराम करो कल फिर सुबह निकलना है'।

मम्मी-पापा को शुभ रात्रि कह कर वंदना अपने कमरे में आकर अपने भविष्य के सुंदर सपने बुनती हुई नींद के आगोश में चली गयी।

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया। वह किसी न किसी बहाने वंदना को अपने कैबिन में बुलाता और उसकी तारीफ करता लेकिन वंदना तो अपने काम की बात करना ही पसंद करती लेकिन बड़े बाप के जिद्दी बेटे ने यह तय कर लिया था कि अगर वह ब्याह करेगा तो वंदना से ही करेगा।

मिलिंद ने अपने पापा से इस बारे में बात की तो घोष साहब खुश हो गए क्योंकि उन्हे वंदना हर तरह से बहुत पसंद थी। घोष साहब ने वंदना को बुला कर उससे भी सलाह ली तो उसने शर्माते हुए अपने पापा, अनिल शर्मा का नंबर दे दिया। अगले ही दिन घोष साहब और मिलिंद वंदना के घर में आमंत्रित थे।

'आईए आईए घोष साहब आपका स्वागत है हमारे गरीबखाने में' – शर्मा जी ने मेहमानों का बाहें खोल कर स्वागत किया और अपनी पत्नी को आवाज लगाई। घोष साहब और मिलिंद ड्रॉइंग रूम में बैठे ही थे कि वंदना भी पानी लेकर कमरे में आ गयी।

'बेटा इधर आओ और मेरे पास बैठो' - घोष साहब ने लाड़ से वंदना को अपने पास बिठाया और बोले 'प्रोफेसर साहब बहुत प्यारी और मेहनती बिटिया है आपकी, अगर आपको मंजूर हो तो मैं इसे अपनी बिटिया बनाना चाहता हूँ'।

'क्यों नहीं, यह तो आपकी बहुत तारीफ करती है कि आपने इसका करियर बनाने में बहुत मदद की है, अगर दोनों बच्चों को मंजूर है तो मुझे इस रिश्ते में कोई आपति नहीं'।

'बहुत बढ़िया बात कही आपने, मिलिंद बेटा आप और वंदना बिटिया अंदर कमरे में जाकर बातचीत कर लो और अपनी सहमति बताओ ताकि हम लोग भी निश्चिंत होकर विवाह की तारीख निश्चित कर सकें'– घोष साहब ने दोनों बच्चों को देखते हुए अपनी बात रखी।

'हाँ-हाँ वंदना, मिलिंद को अपना कमरा दिखाओ और आराम से बैठकर बातचीत करो' – वंदना की माँ ने घोष साहब को चाय का प्याला थमाते हुए कहा तो वंदना मिलिंद को अपना कमरा दिखाने के लिए उठ खड़ी हुई।

इधर घोष साहब, शर्मा जी से गुफ्तगू में लग गए और उधर उनकी पत्नी डिनर की तैयारी में लग गई। वंदना का सुसज्जित कमरा देखकर मिलिंद बहुत प्रभावित हुआ और तारीफ़ के पुल बांधने लगा- 'अरे वाह, वंदना बहुत सुंदर सजा रखा है तुमने अपना कमरा, मैं तो पूरी तरह से तुम्हारा दीवाना हो गया हूँ, लगता है तुम्हें खाना बनाने में भी निपुणता हासिल होगी, अरे मैं ही बोले जा रहा हूँ, तुम भी तो कुछ बोलो'।

'मिलिंद पहले बैठ तो जाओ फिर बताती हूँ कि कमरा तो मैं सजा कर रखती हूँ, लेकिन खाना बनाने का समय कहाँ मिलता है मुझे। वह तो मैं माँ की थोड़ी बहुत मदद करा देती हूँ और काम वाली बाई भी तो आती है। मिलिंद तुम्हे खाना बनाना आता है क्या'– वंदना ने पूछा तो मिलिंद कुछ भावुक हो गया।

'वंदना जब मैं दो साल का था तभी मेरी माँ मुझे छोड़ कर चली गई, तब से मुझे पापा और दादी ने पाला, फिर दादी भी साथ छोड़ गई और अब मेरी दुनिया में सिर्फ पापा हैं, वैसे तो बाहर मित्रों और घर में नौकरों की कमी नहीं है लेकिन फिर भी माँ की कमी खटकती है और मुझे यकीन है कि उस कमी को तुम ही पूरा कर सकती हो वंदना'।

मिलिंद की बातें सुन कर वंदना भी भावुक हो कर बोली – 'मिलिंद अगर हमारी शादी होती है तो मैं तुम्हारी आकांक्षाओं पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी, लेकिन मिलिंद ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती, इसमें तुम्हें भी मेरी पूरी मदद करनी होगी। मिलिंद मैं शादी के बाद भी काम करूंगी और कम्पनी को और भी ऊंचाइयों पर ला कर दिखाऊँगी।

'हाँ वंदना, मैं अपने कहे से कभी पीछे नहीं हटूँगा, तुम बस शादी के लिए हाँ कर दो'।

हँसते हुए मिलिंद और वंदना बाहर बैठक में आए तो सबने ताली बजा कर उनका स्वागत किया। दोनों तरफ से हाँ हो चुकी थी, अब केवल औपचारिक बातें हो रही थी। डिनर की मेज़ सज गई थी, सबने एक साथ बैठकर खाना खाया और फिर खुशी में मुंह मीठा किया।

अगले कुछ दिनों में वंदना के मम्मी-पापा ने पंडित जी से मिलकर शादी की तारीख तय कर ली। वंदना की माँ बहुत खुश थी कि उसकी पुत्री को सुयोग्य वर और अच्छा घर मिल गया लेकिन उसकी चिंता यह थी कि लड़के की माँ नहीं है और वंदना पर घर का पूरा दबाव आ जाएगा, लेकिन पति और बिटिया के समझाने पर वह निश्चिंत हो गई। वंदना बहुत समझदार लड़की थी और विवाह के बाद उसने अपने घर को बहुत अच्छे से संभाल लिया। सुबह जल्दी उठ कर काम वाली की मदद से वह नाश्ता और लंच तैयार करती और फिर पति और ससुर के साथ कंपनी का काम भी कुशलता से संभालती। सब उसकी तारीफ करते नहीं थकते। उसकी काबलियत देख कर घोष साहब जरूरी मामलों में बेटे से ज्यादा बहू पर विश्वास करते और हर मामले में उसकी राय लेते जो मिलिंद को पसंद नहीं आता।

मिलिंद वंदना को नीचा करने का कोई न कोई बहाना ढूँढता जो वंदना को समझ आने लगा था लेकिन वह चुप रहती ताकि उनके दांपत्य जीवन में दरार न आए। उसे बात-बात पर रुलवाना मिलिंद की आदत में शुमार हो गया था।

'मैंने एक लड़की से शादी की थी जो मेरा घर संभाल सके, कंपनी संभालने के लिए मैं हूँ'– मिलिंद वंदना को बात-बात में ताना मारता तो वंदना भी कह पड़ती – 'मिलिंद मैंने भी उतनी ही पढ़ाई की है जितनी तुमने, मैं भी अपनी जिंदगी जीना चाहती हूँ। शादी से पहले तुमने वादा किया था कि हम हर काम मिलकर करेंगे लेकिन दो साल में ही तुम बदल गए हो'।

बात-बात पर प्रताड़ित होती वंदना अपने दिल का गुबार आंसुओं में निकाल लेती लेकिन उस दिन तो मिलिंद ने हद ही पार कर दी, गंगा जैसी निर्मल वंदना पर गलत आक्षेप लगाकर। वंदना और मनोज एक ही प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे और उस मामले में मनोज को वंदना के कैबिन में कई बार जाना पड़ता था जो मिलिंद को बिल्कुल पसंद नहीं था। घोष साहब के कानों में जब यह बात पड़ी तो उन्होंने मिलिंद को बहुत समझाने की कोशिश की लेकिन उसकी बुद्धि को भ्रष्ट करने में उसके कुछ बिगड़ैल दोस्तों का हाथ था। अब तो समझने की जगह वह वंदना को और प्रताड़ित करने लगा और एक दिन मनोज को उसके कैबिन में जाते देख उसने हंगामा शुरू कर दिया।

'साले, बाहर निकल, मेरी बीवी के साथ गुलछर्रे उड़ाता है'।

'मिलिंद क्या कह रहे हो, होश में तो हो तुम'

'बकवास बंद कर' - मिलिंद वंदना का हाथ मरोड़ते हुए चिल्लाया- 'हाँ, होशोहवास में कह रहा हूँ, तुम कोई सती सावित्री नहीं, बदचलन हो, पहले मुझे अपने झाल में फंसाया और अब इसको फंसा रही हो'। यह सुनते ही वंदना को लगा जिसे किसी ने उस पर खौलता पानी डाल दिया हो और वह पूरी तरह झुलस गयी हो। कभी-कभी शारीरिक प्रताड़ना से बड़ी मानसिक प्रताड़ना होती है। सात फेरों के बाद अगर किसी औरत पर उसका पति इतना गलत और गिरा हुआ आक्षेप लगाए तो उसको क्या करना चाहिए। सबका कहना है कि उसको सब्र रखना चाहिए लेकिन वंदना पढ़ी-लिखी एक इज्जतदार घर की लड़की है और वह किसी भी तरह के गलत आक्षेप को स्वीकार नहीं कर सकती।

वंदना अपना सामान लेकर मायके आ गई है। खिड़की पर खड़ी वंदना के मन में उथल-पुथल चल रही है कि वह क्या करे। बाहर ठंडी हवा ने आंधी का रूप ले लिया है और वंदना ने एक अहम फैसला ले लिया है कि वह इस अंदर और बाहर की आंधी को अपने जीवन में घुसने नहीं देगी। उसने खिड़की को बंद कर दिया है और वॉश बेसिन पर आँखों को धो लिया है। अब उसे सब कुछ साफ दिख रहा है, उसने मन ही मन कुछ निश्चय किया है और उसके मम्मी-पापा उसके फैसले में उसके साथ उसकी ढाल बनकर खड़े हैं। बाहर आंधी थम चुकी है। वंदना ने खिड़की खोल दी है और शीतल बयार उसके तन और मन को सहला रही है।

लघु कथा | डॉ. अंजना गर्ग

घर जाग रहे, चोर भाग रहे

कल रात घुमंतु गली में घूम रहा था।
देखा—दो चोर बिजली के खंभे के नीचे उदास बैठे हैं,
जैसे सरकार ने चोरी पर भी जीएसटी लगा दिया हो।
घुमंतु ने पूछा,"क्यों रे भाइयो, आज धंधे पर नहीं गए?"
पहला चोर बोला,"घुमन्तू जी, धंधा ही चौपट हो गया, कहांजाएँ ?
क्यों, क्या हुआ ?ह घुमंतु ने प्रश्न दागा।
रात तीन बजे तक बच्चे मोबाइल के साथ जागते-जागते चौकीदार बन गए हैं।
सुबह चार बजे बुजुर्ग उठकरभगवान को लाइव कॉल लगा देते हैं!
दूसरा चोर आह भरते हुए बोला,"हम चोर हैं,
24 घंटे जागरण नहीं कर सकते!
इन घरों में तो नींद का भी प्रवेश-निषेध है,
चोरी तो दूर की बात है।"
घुमंतु हँस पड़ा—"लगता है भाइयो,
देश से नींद भी भ्रष्टाचार से डर कर भाग गई है।

कविता | भूपसिंह भारती

मां फुले का वंदन

मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन। हाथ जोड़कर नमन करें, नन्हें मुन्ने नंदन।।

सदियों से बंद रहा, शिक्षा का दरवाजा, उसे खोल कहा फुले ने, पढ़ने अंदर आजा,
ना ऊंच नीच कोई, ना कोई है बंधन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

पत्थर गोबर फेंका, जब चली पढ़ाने मां, ना रुकी क्रांति ज्योति, लगी कदम बढ़ाने मां,
फुले की कुर्बानी, कर गई सब को धन धन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सब पाखंडों को मिटाकर, हर घर में ज्ञान फैलाया, ना अनपढ़ रहे कोई, शिक्षा का दीप जलाया,
मां लगा महकने अब, तेरी मेहनत का चंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सत पथ पर चलकर के, फुले का मान करो, बनो एक नेक सारे, सुरक्षित संविधान करो,
कहे 'भारती' जीवन में, ना रहे कोई क्रंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।

कविता | सपना

अनकही बातें

कितनी अन्कही बाते हैं जो हम कह नहीं पाते ।
चाह कर भी किसी को बता नहीं पाते ।।

जानते हैं कि कोई ख़ुश न होगा हमारी ख़ुशी में ।
जानते हैं कि कोई दुखी न होगा हमारे दुख में ।।

क्यों भाईचारा नहीं रहा परिवारो में ?
क्यों एहसास नहीं रहा रिश्तों में ??
किस मुकाम पर आ कर खड़े हैं सब ।
जहाँ न सच बोलने वाले हैं न सुनने वाले ।।

जहाँ न सही का साथ देने वाले हैं ।
न वालत का विद्रोह करने वाले हैं ।।
न जाने क्यों टूट गई है हिम्मत ।
न जाने क्यों बिखर गए हैं ख़्वाब ।।

बस एक ज़िम्मेदारी सा लगता है जीवन ।
अनकहा अनसुना अनछुआ ...।।

कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लेखनी से शोषित-वंचित वर्ग के बहुआयामी शोषण, दमन, उत्पीड़न, अत्याचार आदि के मुंह बोलते शब्दचित्र जीवंत होकर कथा-कहानी व नाटकों में ढले हैं। यही कारण है कि हर पाठक को इस जमीनी लेखक के पात्रों की पीर भोगा, देखा व सुना यथार्थ प्रतीत होता है। नई पीढ़ी के नाम संदेश में वे कहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा स्वाध्याय करें तथा छपने की जल्दबाजी नहीं करें। बड़ों से मार्गदर्शन लेते रहें और मौलिक सृजनता पर ज्यादा ध्यान दें।

साक्षात्कार | सत्यवीर नाहड़िया

शोषितों के स्वाभिमान को शब्द देना लेखकीय दायित्व : सांभरिया

साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं होता, समाज का दिशाबोधक भी होता है, इसलिए लेखकीय दायित्व स्वाभाविक तौर पर बढ़ जाता है। सामाजिक विसंगतियों तथा विद्रूपताओं को उजागर करते हुए इनका समाधान भी सुझाना हमारा दायित्व है। शोषितों तथा वंचितों के न्याय युद्ध में शामिल होकर उनके स्वाभिमान को रेखांकित करना हर रचनाकार का दायित्व है। यह मानना है कथा साहित्य के क्षेत्र में देश के जाने-माने कथाकार-समालोचक का, जिन्होंने पिछले कई दशकों में निरंतर कथा-साहित्य को नए प्रयोगों के साथ समृद्ध किया है। यही कारण है कि कथा साहित्य के मूल तत्त्वों को अपनी मौलिक प्रयोगधर्मिता तथा अनवरत सृजनशीलता की अनूठी साधना से नयी ऊंचाइयां प्रदान करने वाले देश के चुनींदा रचनाकारों में रेवाड़ी के कथाकार रत्नकुमार सांभरिया का नाम बड़े आदर व सम्मान से लिया जाता है।

हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान से अलंकृत इस रचनाकार ने अपनी जन्मभूमि गांव भाड़ावास (रेवाड़ी) को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लेखनी से गौरवान्वित कराया है। भाड़ावास के इस लाल के जयपुर स्थित आवास पर लिखा 'भाड़ावास हाउस' इनका अपनी जड़ों के प्रति जुड़ाव एवं लगाव के कृतज्ञभाव का प्रदर्शित करता है। देशभर के विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में जहां उनकी रचनाएं शामिल कर पढ़ाई जा रही हैं, वहीं कहानी, लघुकथा, एकांकी, नाटक, आलोचना, अनुवाद आदि उनकी बहुआयामी सृजनधर्मिता पर तीन दर्जन से ज्यादा विद्यार्थी एमफिल व पीएचडी कर शोध कर चुके हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान से बतौर उपनिदेशक (प्रशासन) सेवानिवृत्त होकर अब पूर्ण रूप से साहित्य सृजन में साधनारत हैं। 6 जनवरी, 1956 को रेवाड़ी जिले के ऐतिहासिक गांव भाड़ावास में माता जुगरी देवी तथा पिता सिंहराम के घर जन्मे बालक रत्नकुमार ने आठवीं कथा तक पढ़ाई गांव से, फिर शेष रेवाड़ी के अहीर स्कूल, अहीर कॉलेज, एसपी कॉलेज आदि से पूरी कर राजस्थान में प्राथमिक शिक्षक के तौर पर आदिवासी बच्चों को पढ़ाते हुए अपनी व उनके बचपन की गरीबी पर कहानी लिखकर लेखन की शुरूआत की। विपुल कथा साहित्य के रचयिता सांभरिया ने कहानी एवं लघुकथा के क्षेत्र में देशभर में खास मौलिक पहचान बनाकर हरियाणा, रेवाड़ी तथा भाड़ावास का मान बढ़ाया है। उनकी कहानी 'मैं जीती' पर जहां राजस्थान सरकार का समाज कल्याण विभाग टेलीफिल्म का निर्माण कर चुका है, वहीं उनकी अन्य अनेक कहानियों एवं लघुकथाओं पर रेडियो नाट्य रूपांतर प्रसारित हो चुके हैं। उनकी रचनाधर्मिता का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद उनकी सृजनशीलता के विस्तृत फलक तथा गुणात्मकसृजन का प्रमाण है। डॉ. अंबेडकर एक जीवन का जहां अरबी एवं सिंधी में अनुवाद हो चुका है, वहीं मियांजान की कुकड़ी नामक पंद्रह कहानियों का अरबी-सिंधी में अनुदान हुआ है। नाटक-एकांकी के प्रखर हस्ताक्षर श्री सांभरिया की रचनाओं को देशभर के विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रमों में शामिल किया है। सरल व सहज व्यक्तित्व के धनी सांभरिया के अपने बचपन की गरीबी के दिन, टपकती छान, नंगे पैर स्कूल जाना, निरंतर आर्थिकी विषमताओं से जूझना, खेतिहर मजदूर पिता का संघर्ष आज भी याद है। यही कारण है कि उनकी कहानियों, नाटकों, लघुकथाओं के पात्र संघर्ष में घुटने नहीं टेकते,प्लायन भी नहीं करते अपितु जमकर-डटकर संघर्ष करते हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

कथा साहित्य के अनूठे साधक कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लिखी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें हुकम की दुग्गी, काल तथा अन्य कहानियाँ, खेत तथा अन्य कहानियाँ, दलित समाज की कहानियाँ, एयरगन का घोड़ा , बांग तथा अन्य कहानियाँ, प्रतिनिधि लघुकथा शतक, मुंशी प्रेमचंद और दलित साहित्य, उपन्यास साँप व नटनी, डॉ. अंबेडकर : एक प्रेरक जीवन, नाटक-वीमा, उजास, भभूल्ला आदि नाम शामिल हैं।

रत्नकुमार सांभरिया

पुरस्कार व सम्मान

नवज्योति कथा सम्मान (1998), राष्ट्रीय सहारा कथा पुरस्कार (2005), कथादेश अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मान (2007), राजस्थान पत्रिका सृजनात्मक पुरस्कार (2018), हरियाणा साहित्य अकादमी हरियाणा गौरव सम्मान (2014), सुब्रमण्यम भारती सम्मान, केंद्र सरकार (2017) राजस्थान साहित्य अकादमी मीरा सम्मान (2023), बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण सम्मान, रेवाड़ी (2025) आदि शामिल हैं।

एक-दूसरे के पूरक हैं साहित्य और स्वाध्याय

विमर्श | डॉ. चंद्र त्रिखा

हरियाणा की पावन धरती भारतीय साहित्य के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान रखती है, जिसे वेदों की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। महर्षि वेदव्यास द्वारा 'महाभारत' की रचना भी इसी माटी पर हुई, जिसने न केवल भारत अपितु संपूर्ण विश्व को जीवन दर्शन का पाठ पढ़ाया। मध्यकाल में संत साहित्य की अविरल धारा यहाँ प्रवाहित हुई, जिसमें बाबा फरीद की सूफी वाणी और संत निश्चल दास के दार्शनिक चिंतन ने समाज को वैचारिक स्पष्टता प्रदान की। हरियाणा का साहित्य केवल पन्नों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यहाँ की लोक विधा 'सांग' और रागिनियों के माध्यम से यह सामान्य जनमानस के कंठहार का हिस्सा बना। पंडित लखमीचंद जैसे कवियों ने लोक-साहित्य को जो ऊँचाई दी, उसने हरियाणा की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक पटल पर मजबूती से स्थापित किया। समकालीन परिदृश्य में हरियाणा का साहित्य बहुआयामी और प्रगतिशील है। खड़ी बोली के विकास में बालमुकुंद गुप्त जैसे दिग्गजों का योगदान अविस्मरणीय है, जिन्होंने अपनी लेखनी से राष्ट्रीय चेतना को जगाया। वर्तमान समय में हरियाणा के रचनाकार कविता, कहानी और उपन्यास के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों, नारी विमर्श और किसान जीवन की चुनौतियों को मुखरता से अभिव्यक्त कर रहे हैं। राज्य की हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी और अनेक साहित्यिक संस्थाएं इस दिशा में अपने प्रयास कर रही है, जिससे नए लेखकों को मंच और प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रत्येक वर्ष 500 से 600 साहित्यिक पुस्तकें प्रकाशित हो रही हैं। लेकिन एक विडंबना अब हमारे सामने आ रही है कि मुख्यधारा के विमर्श में हरियाणा में साहित्य के नाम पर कविताएँ ही अधिकाँश रूप से लिखी जा रही हैं और उसमें भी लघु कविता का बोलबाला है। जबकि गद्य में लघुकथा रचना का प्रभाव बढ़ रहा है। ऐसे में उपन्यास, कहानी, आलेख और काव्य खंड की स्थिति विचारणीय हो गई है। वर्तमान में साहित्य निहित गंभीर दार्शनिकता और मानवीय संवेदनाएं दुर्लभ सी हो रही हैं। आप ध्यानपूर्वक देखेंगे तो पायेंगे कि आज की युवा पीढ़ी में हमारे पास केवल कुछ चुनींदा लेखक ही हैं। जहां पूरी दुनिया के विभिन्न क्षेत्र युवा हाथों में सुरक्षित दिखाई देते हैं वहीं साहित्य की जिम्मेदारी का भार अभी भी वरिष्ठ साहित्यकारों के कन्धों पर होना चिंतनीय है। आज साहित्यकार जो लिख रहे हैं, वह भी अपेक्षित अध्ययन के बाद नहीं लिखा जा रहा है। साहित्य की इस समृद्ध विरासत को अक्षुण्ण रखने और इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए 'स्वाध्याय' की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक अनिवार्य हो गई है। स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है। जब तक हम अपने पुरखों द्वारा रचे गए महान ग्रंथों और समकालीन रचनाओं का गहरा अध्ययन नहीं करेंगे, तब तक हम अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। साहित्यिक स्वाध्याय व्यक्ति की आलोचनात्मक सोच को विकसित करता है, जिससे वह समाज में व्याप्त भ्रांतियों और सतही विमर्शों के बीच सत्य को पहचानने की दृष्टि प्राप्त करता है। स्वाध्याय की कमी के कारण ही आज स्तरीय साहित्य की जगह सतही सामग्री ले रही है। अतः, यह आवश्यक है कि हम पुस्तकों के साथ अपना नाता फिर से जोड़ें और पुस्तकालयों को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। साहित्य और स्वाध्याय एक-दूसरे के पूरक हैं। हरियाणा की साहित्यिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पठन की एक नई लहर की आवश्यकता है। स्वाध्याय से परिष्कृत समाज ही अपनी भाषा को मान दिला सकता है और साहित्य के माध्यम से राष्ट्र के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दे सकता है।

स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है।

दुकानदारों व राहगीरों को हो रही परेशानी

डाकखाना परिसर में स्थित दो शौचालयों में से एक में चल रहा मरम्मत कार्य, दूसरे की हालत बदहाल

पीछे वाले शौचालयों में पड़े इंजेक्शन और शराब की खाली बोतलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। डाकखाना परिसर के शौचालय की बदहाली दिखाते हुए दुकानदार, डाकखाना परिसर स्थित पार्क के साथ लगता बदहाल शौचालय। फोटो : हरिभूमि

मेन बाजार के डाकखाना परिसर स्थित सार्वजनिक शौचालय में चल रहा मरम्मत कार्य दुकानदारों के लिए परेशानी का कारण बना है। दुकानदारों का कहना है कि इस सार्वजनिक शौचालय की बदहाल को सुधारने के लिए नगर परिषद द्वारा मरम्मत कार्य चलाया जा रहा है। लेकिन काम को चलते करीब ढाई माह चुके हैं जिस कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदार गुलशन धींगड़ा, अमित कुमार, सतीश यादव, सौरभ पोपली, संजीव पोपली, राज सिंह चंचल, रोहित शर्मा, प्रशांत आर्य, पीयूष आर्य आदि ने बताया यहां इसी शौचालय के बिल्कुल पीछे पार्क के साथ एक अन्य शौचालय भी स्थित है। उसके दरवाजे टूटे हुए हैं तथा वहां भी गंदगी फैली है।

शौचालय की सफाई कराने की मांग

इस कारण उन्हें परेशानी आ रही है। नगर परिषद को चाहिए था कि पहले वह पीछे वाले शौचालय की साफ-सफाई कराती तो दुकानदारों को राहत मिल जाती। पीछे वाले शौचालयों में पड़े इंजेक्शन व शराब की खाली बोतलें इस बात की गवाही देती है कि यहां नशा प्रवृत्ति वाले लोगों का भी आवागमन रहता है। दुकानदारों ने नगर परिषद से मांग की है कि डाकखाना परिसर में स्थित पीछे वाले शौचालय की साफ-सफाई कराकर उन्हें समस्या से छुटकारा दिलाया जाए।

शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने कराई नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच

झज्जर। शिविर में उपस्थित ग्रामीण एवं चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव दुजाना में रविवार को शिव शक्ति प्राइमरी स्कूल में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। नुवो फाउंडेशन द्वारा ट्रिपल ए अस्पताल तथा एडवांटा हास्पिटल के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में दुजाना गांव के अलावा निकटवर्ती गांवों के लोगों ने भी लाभ उठाया। इस दौरान चिकित्सकीय टीम द्वारा लोगों की बीपी, शूगर व ईसीजी की जांच की गई। इसके अलावा जरुरतमंद लोगों में निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई। इस मौके पर ललित चावला, स्कूल प्राचार्या कोमल चावला, नुवो फाउंडेशन के प्रबंधक युवराज रोहिल्ला तथा आदियोगी गौरी फैडरेशन की निदेशिका शालिनी सोलंकी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

ग्रामीणों को बताया ध्यान का महत्व

बहादुरगढ़। योग प्रशिक्षक सुनील देवी द्वारा गांव सिद्दीपुर में ग्रामीणों को योग और ध्यान के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने बच्चों को योग का महत्व समझाते हुए कहा कि योग करने से काफी लाभ मिलता है और शरीर चुस्त व फुर्तीला बनता है। योग से मनुष्य चरित्रवान, गुणवान व विद्वान बनता है। योग करने से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। युवाओं को चाहिए कि वे योग को अपने जीवन में धारण करे और सुबह कम से कम एक घंटा योग व ध्यान का अभ्यास अवश्य करें।

कोर्ट से घोषित दो पीओ भेजे जेल

रेवाड़ी। पुलिस ने कोर्ट से घोषित दो पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने माजरी गुर्जर निवासी कबूल को एक मामले में पीओ घोषित किया था। उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश हुए थे। पुलिस ने 12 दिसंबर 2019 को उसके खिलाफ केस दर्ज किया था। तभी से आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर था। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने शास्त्री नगर निवासी अमिताभ के खिलाफ 11 नवंबर 2022 को अवमानना का केस दर्ज किया था। उसे भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

झगड़े के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने प्राणपुरा में झगड़ा करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दो पक्षों के बीच विवाद के चलते पुलिस ने प्राणपुरा निवासी लालाराम के खिलाफ 29 सितंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। उस पर पीड़ित पक्ष की ओर से झगड़ा करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए थे। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी पुलिस गिरफ्तार से बाहर चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

दहेज प्रताड़ना मामले में एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज के लिए मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिले के एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। जब उनके बीच बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 13 सितंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था।

लूट व आर्म्स एक्ट का आरोपी चढ़ा हत्थे

धारूहेड़ा। पुलिस ने हथियारों के बल पर लूट की वारदात को अंजाम देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इसी साल धारूहेड़ा क्षेत्र में हथियारों के बल पर लूट की वारदात के बाद 25 जनवरी को केस दर्ज किया था। अन्य आरोपियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। एक आरोपी यूपी के घोसाई बेटा निवासी फैजान फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

झज्जर। बैठक के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना। फोटो : हरिभूमि

भगत राम बने जोगी समाज के जिलाध्यक्ष

झज्जर। कस्बा बेरी में जोगी समाज द्वारा बैठक का आयोजन कर नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना जहां मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता मनीष बंसल ने विशिष्टातिथि के रूप में शिरकत की। बैठक की अध्यक्षता जोगी समाज के प्रदेशाध्यक्ष पूर्ण सिंह ढाणा ने की। इस दौरान समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान पूनिया को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। नव गठित कार्यकारिणी में सर्व सम्मत्ति द्वारा भगत राम को जिला प्रधान चुना गया। नव नियुक्त जिलाध्यक्ष को अन्य पदाधिकारियों के चयन का अधिकार भी दिया गया। मुख्यातिथि कप्तान बिरधाना ने कहा कि जोगी समाज को अपनी भावी पीढ़ी को मुख्यधारा में लाने के लिए पढ़ाना चाहिए और तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई करके उसे स्वावलंबी बनाना चाहिए।

बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने का प्रयास करें

मनीष बंसल ने भी जोगी समाज के उत्थान के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान पूनिया ने लोगों से आह्वान किया कि वे समाज में फैली कुरीतियों को दूर करें तथा जहां तक संभव हो सके अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने का प्रयास करें। इस मौके पर पूर्व प्रदेशाध्यक्ष जगदीश भट्टी, ओमप्रकाश, कृष्ण, अतर सिंह, राजबीर, रामभगत, सुरेंद्र, कुलदीप, राजा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

पुलिस टीम ने खातीवास गांव में ग्रामीणों को किया नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक

- ग्रामीणों को बताया कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

जिला पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा गांव गांव जाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को उप निरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में मुख्य सिपाही सपना तथा स्पेशल फोर्स के जवान संजीव कुमार द्वारा गांव खातीवास में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। आप सभी देश का भविष्य हो। इसलिए पढ़ाई और खेल में ध्यान लगाओ और नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहो। उन्होंने कहा कि अगर गांव या आस-पास कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें।

साइबर अपराध के खतरों से अवगत करवाया

जानकारी देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जाएगी। इसके अलावा पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आजकल अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी, पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। किसी भी साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

महिला के खिलाफ 217 बीएनएस के तहत की गई कार्रवाई

रोहतक। थाना शिवाजी कॉलोनी पुलिस ने एक महिला द्वारा झूठी शिकायत देने पर महिला के खिलाफ 217 बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। मामले के अनुसार, शिवाजी कॉलोनी एरिया निवासी महिला ने शिकायत दी। शिकायत के अनुसार महिला का पति दिल्ली मे जॉब करता है। महिला की दो लड़की है। महिला के पडोस में रहने वाले पडोसी के साथ करीब 5 साल पहले बोलचाल शुरु हुई। युवक दुधिया का काम करता था। महिला की शिकायत के अनुसार युवक ने महिला के साथ जबरदस्ती शारिरिक संबंध बनाये व लिव इन रिलेशनशिप में रहने के कागजात तैयार करवाए।

सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास सभी के लिए फायदेमंद

- कार्यक्रम का जिला योग समन्वयक डॉक्टर पवन देशवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

योग अभ्यास से हमारा मन शांत एवं सुदृढ़ बनता है

जिसके अंतर्गत योग को हमारी दैनिक जीवन शैली में शामिल करने तथा आम जन को योग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा 12 जनवरी से 12 फरवरी तक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम चलाया जाएगा। जिस प्रकार प्रति वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है,उसी तर्ज पर गत वर्ष से 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि हम इन तीनों कार्यक्रमों को सम्मिलित रूप से देखें तो हमें प्रतिदिन सूर्य नमस्कार का अभ्यास करना चाहिए। इसके उपरांत योगाभ्यास और उसके पश्चात ध्यान का नियमित अभ्यास करना चाहिए। यदि हम इन तीनों क्रियाओं को प्रतिदिन करते हैं तो इससे हमारा शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास होगा। प्रतिदिन योग अभ्यास से हमारा मन शांत एवं सुदृढ़ बनता है।

रविवार को महर्षि दयानंद सरस्वती खेल स्टेडियम में दूसरे अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस का आयोजन किया गया। हरियाणा योग आयोग , आयुष विभाग झज्जर तथा विभिन्न धार्मिक एवं योग से जुड़ी संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का जिला योग समन्वयक डॉक्टर पवन देशवाल ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। जिला योग समन्वयक डॉक्टर पवन देशवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार वैलनेस के क्षेत्र में विशेष रूप से सराहनीय कार्य कर रही है।

झज्जर। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिला योग समन्वयक डॉक्टर पवन देशवाल। फोटो :

रोहित हत्याकांड: सभी आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर मां का आक्रोश, आत्मदाह की दी धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- हुमायुपर निवासी रोहित की मां संतोष ने जारी किया वीडियो

नेशनल खिलाड़ी बाडी बिल्डर रोहित धनखड़ की हत्या का मामला गरमाया हुआ है। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी अब तक न होने पर हुमायुपर निवासी रोहित की मां संतोष और परिजनों ने प्रशासन के प्रति कड़ा विरोध जताते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो वह अत्यंत कठोर कदम उठाने को मजबूर होंगी।

उन्होंने अब दुखी होकर आत्मदाह की धमकी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि हत्याकांड में 20 से 22 लोग थे, केवल चार आरोपी पकड़े गए हैं। आरोप है कि इनमें फौजी, पुलिस कर्मी का बेटा और मास्टर भी शामिल हैं। लेकिन अधिकारी केवल आश्वासन दे रहे हैं।

उन्होंने अपने बेटे को कपड़ों की सिलाई करके बड़ी मुश्किल से पाला था। उन्होंने सवाल किया कि आगे कोई किसी बहन की ईज्जत की रक्षा करेगा अगर उसे न्याय ही नहीं मिलेगा तो, उन्होंने कहा कि उनके बेटे ने कोई गलत काम नहीं किया था।

उन्होंने पूरे बयान की वीडियो जारी की है। इस चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन में हलचल तेज हो गई है और मामले को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का भरोसा दिया जा रहा है।

गांव घुसकानी में 2 बहनों के इकलौते भाई ने की आत्महत्या

रोहतक। जिले के गांव घुसकानी में दो बहनों के इकलौते भाई ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। मृतक की पहचान करीब 30 वर्षीय विकास के रूप में हुई है। रात को विकास घर पर आकर सो गया। सुबह जब विकास कमरे से बाहर नहीं आया तो मां ने दरवाजा खोलने का प्रयास किया। दरवाजा नहीं खुला तो खिड़की से झांककर देखा तो विकास पंखे पर लटका मिला।विकास की मां ने मामले में पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर टिटोली चौकी इंचार्ज अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर शव को कब्जे में लिया। वहीं, मौके पर एफएसएल एक्सपर्ट डॉ. सरोज दहिया को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। जांच में पता चला है कि विकास के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है, जबकि दो बहनों की शादी हो गई है। विकास अपनी मां के साथ घर पर अकेला रहता था। उसने पंखे पर चुन्नी से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की है।

चंडीगढ़ टीम के कप्तान बने खेड़ी आसरा गांव के प्रदीप छिक्कारा

झज्जर। उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर फुटबॉल खेलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके जिले के फुटबॉलर प्रदीप छिक्कारा यूपी के आगरा में खेले जाने वाली संतोष ट्रॉफी 2025-26 में चंडीगढ़ टीम के कप्तान के रूप में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। खेल प्रेमियों द्वारा भारतीय फुटबॉल के प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक राष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट में कप्तान प्रदीप छिक्कारा से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। वे इससे पहले भी चार बार संतोष ट्रॉफी खेल चुके हैं। उनके वर्षों के अनुभव, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के कारण उन्हें टीम की कमान सौंपी गई है। जिले के खेड़ी आसरा गांव निवासी प्रदीप छिक्कारा ने कड़ी मेहनत और समर्पण के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। एक छोटे से गांव से निकलकर संतोष ट्रॉफी जैसी बड़ी प्रतियोगिता में कप्तानी करना न केवल उनके परिवार लिए बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उनकी यह उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

होनहार खिलाड़ी प्रदीप छिक्कारा।

भूगोल विषय आधुनिक युग की जटिल सामाजिक व पर्यावरणीय चुनौतियों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ

भूगोलविदों ने किया भूगोल विषय के उत्थान पर मंथन

- डॉ. सुरेंद्र कुमार ने ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स की बैठक में व्यक्त किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित भूगोलविद। फोटो : हरिभूमि

भूगोल विषय आधुनिक युग की जटिल सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। यह विषय पृथ्वी की भौतिक संरचना का अध्ययन करने के अलावा मानव और प्रकृति के पारस्परिक संबंधों को भी वैज्ञानिक दृष्टि से समझने में सहायक है। ये विचार राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के भूगोल विभागाध्यक्ष डॉक्टर सुरेंद्र कुमार पूनिया ने ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स की बैठक में व्यक्त किए। राजकीय महिला महाविद्यालय रोहतक में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर फूल कुमार ने की। नेहरू कॉलेज के भूगोल प्राध्यापक डॉक्टर ललित कुमार ने बताया कि इसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों के विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय से विभिन्न शोधार्थी एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे। जिन्होंने भूगोल विषय के महत्त्व और विकास पर अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम का शुभारंभ राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय रोहतक की भूगोल विभागाध्यक्ष डॉक्टर ज्योति ने किया। ऑल हरियाणा राजकीय प्राध्यापक संघ के संगठन सचिव डॉक्टर मनोज कुमार एवं सह सचिव सोनू गुरेरा ने भी अपने विचार प्रकट किए।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर डॉक्टर मनोज कुमार, डॉक्टर हिमांशु ग्रोवर, डॉक्टर मुकेश कुमार, डॉक्टर तस्वीर सिंह, नवीन कुमार, डॉक्टर नवीन पूनिया, डॉक्टर राजेश, डॉक्टर जोगिंदर, डॉक्टर ज्योति, डॉक्टर प्रवीण खत्री, डॉक्टर अंजू बाला एवं शोधार्थी रोहित पांचाल, डॉक्टर संजय कुमार, डॉक्टर प्रवीण कुमार, डॉक्टर सवित राज सहित अन्य भी मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक और पोस्टरों के माध्यम से आमजन को किया जागरूक

प्रदूषण की रोकथाम के लिए नींद से उठने का किया आह्वान

संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति ने मेट्रो स्टेशन के निकट किया नुक्कड़ नाटक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति ने ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से प्रदूषण की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाया। बहादुरगढ़ सिटी मेट्रो स्टेशन के नीचे चलाए गए अभियान के दौरान नुक्कड़ नाटक और पोस्टरों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया।

नाटक के जरिए बताया गया कि अनावश्यक हॉर्न बजाना, बिना नियमों के वाहन चलाना और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियां न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक हैं। नुक्कड़ नाटक के दौरान समिति सदस्यों ने प्रदूषण नगरी के राजा और एक जागरूक इंसान के बीच प्रदूषण को लेकर संघर्ष और जंग दिखाई।

बहादुरगढ़। मेट्रो स्टेशन के निकट आमजन को जागरुक करते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

नाटक के अंत में समाज ने जागरूक होकर प्रदूषण रूपी राक्षस का संहार कर दिया। ट्रैफिक एसएचओ सतीश कुमार ने आमजन को प्रदूषण कम करने और ट्रैफिक नियमों का पालन करने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि ट्रेफिक नियमों का पालन करके हम काफी हद तक प्रदूषण को कम कर सकते है। समिति सदस्य जयपाल सांगवान ने बताया कि सरकार को भी समय रहते सड़कें रिपेयर करके, ग्रेप नियमों का कड़ाई से पालन करवाकर इस गंभीर हो चुके प्रदूषण के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए।

रोगियों की संख्या में बेहताशा बढ़ोतरी

कर्नल अनिल जून ने बताया कि आम जनता इस वायु प्रदूषण से बीमार हो रही है। अस्पतालों में प्रदूषण से बीमार होने वाले रोगियों की संख्या बेतहाशा बढ़ चुकी है। सरकार के सभी विभागों को इसके लिए सख्त कदम उठाने चाहिए। सभी राहगीरों ने समिति के द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक और छोटे छोटे बच्चों के प्रयास की खूब तारीफ की।

बहादुरगढ़। सुनीता राजेश जून को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित करती बीके रेनू बहन। फोटो : हरिभूमि

विधायक जून की पत्नी सुनीता जून ने ब्रह्माकुमारी संस्था की गतिविधियों को सराहा

ब्रह्माकुमारी बहनें दिखा रहीं हैं सत्य और धर्म की दिशा

- ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि आध्यात्मिक जागरूकता के माध्यम से लोगों के जीवन में ला रहा सकारात्मक बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून की धर्मपत्नी सुनीता जून ने सेक्टर-13 स्थित प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में शिरकत की। केंद्र संचालिका बीके रेनू बहन ने सुनीता जून का शाल ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत किया और ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया।

सुनीता राजेश जून ने ब्रह्माकुमारी संस्थान की गतिविधियों की खुले शब्दों में सराहना करते हुए कहा कि वे समाज को सत्य, धर्म और नैतिक मूल्यों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे रही हैं। आज के समय में जब समाज अनेक प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में ब्रह्माकुमारी संस्थान आध्यात्मिक जागरूकता के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

कार्यक्रम के दौरान आस्ट्रेलिया से आए बीके परमिंद्र व नितिका ने भी अपने अनुभव सांझा किए। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़ी बहनें और भाई शिव बाबा की महिमा को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं, जिससे समाज को नई दिशा और नई सोच मिल रही है।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि समाज में भाईचारे का संदेश भी फैलाता है

कार्यक्रम में ममता, निधि, प्रवीति, बीके सुरेंद्र, लक्ष्मी दीदी, कुलवंत, नीरज आदि ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय केवल आध्यात्मिक शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि आत्मिक शांति, संयम, सद्भाव और भाईचारे का संदेश भी समाज में फैलाता है।

युवाओं को दे रहे प्रेरणा

सुनीता राजेश जून ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे सेवा, साधना और संस्कार निर्माण के कार्य निश्चित रूप से प्रशंसनीय हैं और युवाओं को प्रेरणा दे रहे हैं।

बहादुरगढ़। स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान के बारे में बताते आर्य हरिओउम दलाल। फोटो : हरिभूमि

श्रद्धापूर्वक मनाया स्वामी श्रद्धानंद का 100वां बलिदान दिवस, दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

स्वतंत्रता सेनानी स्वामी श्रद्धानंद का 100वां बलिदान दिवस रविवार को आर्य समाज झज्जर रोड पर मनाया गया। समारोह की शुरुआत हवन से हुई। इसके बाद समारोह में उपस्थित आर्य समाजियों ने स्वामी श्रद्धानंद को श्रद्धांजलि दी।

आर्य प्रतिनिधि सभा जिला झज्जर के प्रधान आर्य हरिओउम दलाल ने बताया कि लोवा कलां कन्या गुरुकुल से अनु आर्या व अन्य ब्रह्मचारिणी हवन की ब्रह्मा रही। भजनोपदेशक सतपाल मधुर, आचार्य भगवान दास, आशा आर्या व गुरुकुल की ब्रह्मचारीणियों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

समारोह में मंच संचालन आचार्य विक्रम देव ने किया। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल शर्मा, सेवामूर्ति दिनेश कौशिक, दिनेश शेखावत, पंकज गर्ग, आर्य ब्रह्मजीत, आर्य प्रवीण सिंघल, सुरेश आर्य, सतपाल वत्स, अतर सिंह दलाल, विजेंद्र आर्य, डॉ. वीरपाल विद्यालंकार, रविंद्र आर्य, राजेंद्र आर्य, रणबीर कादयान, यशपाल शांतनु, संतलाल मलिक व संता आर्या आदि ने स्वामी श्रद्धानंद को नमन किया।

जाखोदा उपचार केंद्र का 12वां वार्षिक उत्सव हुआ संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जाखौदा गांव के निकट स्थित गौ एवं वन्य जीव उपचार केंद्र का तीन दिवसीय 12वां वार्षिक उत्सव रविवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम के सफल समापन पर गौधन सेवा समिति के पदाधिकारी रमेश राठी, विनोद कुमार, बिजेंद्र राठी, राजा जून व सुशील राठी आदि ने सभी गौसेवकों का अपार सहयोग के लिए आभार जताया।

रविवार को कार्यक्रम की शुरुआत हवन के साथ हुई। यज्ञ में यजमान के तौर पर पवन ओहल्याण, जयभगवान, प्रमोद राठी के साथ गौधन सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे। पंडित अमित मिश्रा ने विधिवत तरीके से हवन संपन्न करवाया। वेदों में गाय को संपत्तियों का भंडार कहा गया है। उसकी प्रचुरता घर की सुख-समृद्धि से जुड़ी है और वह धन-धान्य की वृद्धि करती है। गाय के पंचगव्य (दूध, दही, घी, गोमूत्र, गोबर) में अद्भुत औषधीय गुण माने जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान नरोली की बलराम बैसला एंड पार्टी द्वारा हरियाणवी सांस्कृतिक रागनियां प्रस्तुत की गई।

बहादुरगढ़। भाजपा पदाधिकारियों को स्मृति चिह्न देते समिति पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

गोसेवकों ने सामर्थ्य अनुसार आर्थिक सहयोग किया

रविवार को बेसहारा पीड़ित गौवंश की सेवा के लिए पवन प्रधान ने 51 हजार, हरिओम मुदगिल ने 31 हजार, महादेव कंस्ट्रक्शन ने 31 हजार 111, मुकेश पहलवान, अंश दलाल, रामकिशन, रविंद्र पांडे, मुजफ्फर व रोहद ट्रक यूनियन ने 21-21 हजार, एलएच फुटवियर ने 21 हजार 51, जनटा जून व सुरेश राठी ने 11 हजार 111, आरिफ, रामबीर राठी व महेंद्र प्रताप ने 11-11 हजार रुपए, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने 51 सौ रुपए तथा अन्य गौसेवकों ने सामर्थ्य अनुसार आर्थिक सहयोग किया। इस मौके पर रविंद्र राठी, कमल लूथरा, आशु सैनी, दीपक सैनी व धर्मेंद्र सैनी आदि मौजूद रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम आज

झज्जर। एक सौ दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों के खिलाफ जागरूकता एवं रोकथाम तथा बाल विवाह पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला विधि सेवा प्राधिकरण द्वारा एमडीडी ऑफ इंडिया के सहयोग से सोमवार को दोपहर बारह बजे एडीआर सेंटर के कांफ्रेंस हाल में विशेष जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम एवं जिला विधि सेवा प्राधिकरण के सचिव विशाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों पर कानूनी प्रावधानों एवं जागरूकता से अवगत कराया जाएगा।

पूर्व सीएम हुड्डा ने किशनी देवी को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शिक्षाविद एवं समाजसेवी मास्टर सुशील बराही, सेवानिवृत्त प्राचार्य रमेश छिल्लर तथा रविंद्र छिल्लर की 85 वर्षीय माता किशनी देवी की तेरहवीं पर पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने भी उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। उनका स्वर्गवास 12 दिसंबर को हुआ था। रविवार को उनके सेक्टर-6 स्थित निवास पर आयोजित तेरहवीं कार्यक्रम में प्रधान मंजीत जून, पूर्व पार्षद वजीर राठी, ठेकेदार रणबीर जून, परमजीत दलाल, बलजीत जून, अजय छिल्लर, पार्षद बिजेंद्र दलाल, सुरेंद्र छिल्लर आदि ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

बहादुरगढ़। स्व. किशनी देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करते भूपेंद्र हुड्डा।

आईटीआई पास छात्रों के लिए अप्रेंटिसशिप मेला आज

झज्जर। आईटीआई झज्जर एट गुढ़ा के प्राचार्य जीतपाल ने बताया कि आईटीआई परिसर में सोमवार को सुबह दस बजे अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कई निजी कंपनियां भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि इंजीनियरिंग व्यवसाय के जो आईटीआई पास विद्यार्थी अपरेंटिस करना चाहते हैं, ऐसे विद्यार्थी इस अप्रेंटिसशिप मेले में भाग ले सकते हैं। अप्रेंटिसशिप मेले में आईटीआई पास-आउट विद्यार्थियों का इंटरव्यू व लिखित परीक्षा ली जाएगी। जो विद्यार्थी रिटन टेस्ट व इंटरव्यू में अच्छे अंक प्राप्त करेंगे, उनका निजी संस्थानों द्वारा अप्रेंटिस के लिए चयन किया जाएगा।

जूनियर फुटबॉलरों को बांटे प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर की एचएल सिटी के एनसीआर-1 में रविवार को सिटी बहादुरगढ़ फुटबॉल क्लब की ओर से सैटा प्रीमियर कप के नाम से जूनियर फुटबॉल खिलाड़ियों के मैचों का आयोजन किया गया। इस आयोजन में 40 टीमों ने भाग लिया।

जीडी गोयनका स्कूल के निकट हुई स्पर्धा के दौरान अंडर-7, 9, 11, 13 और 15 की उम्र के बच्चों ने भाग लिया। क्लब की ओर से विजयी टीम को ट्राफी व प्रमाण पत्र दिए गए। समाजसेवी आर्य हरिओउम दलाल ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागियों को शील्ड व सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत किया। कोच नरेश, विनय जून व दीपा जून देशवाल पिछले 8 साल से बच्चों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित कर रहे हैं। स्पर्धा में दिल्ली द्वारका, पानीपत, दादरी, रोहतक महम व झज्जर के अनेक गांवों की टीमें शामिल हुई। इस अवसर पर ब्रह्मजीत आर्य व विनोद लोहिया ने भी फुटबॉलरों को प्रोत्साहित किया।

बहादुरगढ़। विजेता व प्रतिभागी फुटबॉलरों के साथ आयोजक व अतिथि।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

बैठक

प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी जिम्मेदारी का कराया जाएगा बोध

भाजपाइयों ने एसआईआर अभियान को लेकर की विशेष चर्चा

कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका भाजपा की ताकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव डीघल में रविवार को भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यकारिणी द्वारा एक रणनीतिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भाजपा राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, जिला प्रभारी कैप्टन भूपेंद्र, जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, संजय कबलाना, दिनेश कौशिक, सरोज राठी, प्रदीप अहलावत, दिनेश शास्त्री, आनंद सागर, गीतांशु चावला, प्रवीण गर्ग, कमल गिरोत्रा सहित जिला कार्यकारिणी के सभी प्रमुख पदाधिकारी, मंडलाध्यक्ष व मोर्चा पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाना, बूथ स्तर तक संगठन की मजबूती सुनिश्चित करना तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, अभियानों एवं जनसंपर्क गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार करना रहा। इस दौरान एसआईआर अभियान को लेकर विशेष चर्चा की गई, जिसके अंतर्गत मतदाता सूचियों की शुद्धता, पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने, अपात्र प्रविष्टियों को हटाने तथा बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की स्पष्ट जिम्मेदारियां तय करने पर जोर दिया गया।

इसी प्रकार जिला प्रभारी कैप्टन भूपेंद्र व जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने भी अपने-अपने संबोधन में संगठनात्मक अनुशासन और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को भाजपा की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि जिला संगठन आगामी सभी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करेगा तथा प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी जिम्मेदारी का बोध कराया जाएगा।

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ एवं अन्य।

कार्यकर्ताओं ने सुना गृह मंत्री शाह का संबोधन

बैठक में कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का संबोधन भी सुना। जिसमें उन्होंने संगठनात्मक मजबूती, चुनावी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और लोकतंत्र को सशक्त करने पर बल दिया है। राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस भ्रम और झूठ की राजनीति के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है, जबकि उनकी पार्टी पारदर्शिता, सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर कार्य करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा एसआईआर जैसे अभियानों के माध्यम से जनता को जागरुक करने का कार्य पूरी प्रतिबद्धता से करेगी।